हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

हिन्दी (आधार) **सीनियर सैकेण्डरी**

निर्धारित समय : 3:00 घण्टे। **पूर्णांक : 80**

कुल मुद्रित पृष्ठ : 8

मूल्यांकन निर्देश एवं आदर्श उत्तर

सामान्य निर्देश :

परीक्षार्थी के सही एवं उचित आंकलन के लिए उसकी उत्तर –पुस्तिका का मूल्यांकन एक महत्तपूर्ण कार्य है। इस कार्य में छोटी सी भी भूल/ असावधानी गंभीर समस्या पैदा कर सकती है, जो परीक्षार्थी के भावी जीवन, शिक्षा प्रणाली एवं अध्ययन अध्यापन की व्यवस्था को कुप्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए आवश्यक है कि किसी परीक्षार्थी की उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन करने से पहले मूल्यांकन निर्देशों का भली–भांति अध्ययन कर लिया जाए। उप–परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो ऐसी स्थिति में पूर्णांक देने में संकोच न करें।

मूल्यांकन कार्य करने के लिए महत्त्वपूर्ण निर्देश :

1 उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन अंक–योजना में दिए गए निर्देशानुसार किया जाना है।

2 अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

3 अंक–योजना में दिए गए उत्तर– बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एंव सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उचित अंक दिए जाएँ।

4 निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर के संदर्भ में परीक्षार्थी के उत्तर का जितना भाग सही हो , उसके अनुसार उचित अंक अवश्य प्रदान करें।

5 प्रश्न के उपभागों के उत्तर के अंक दाएं ओर दिए जाएँ और बाद में इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिए में अंकित किए जाएँ।

6 परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।

7 वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।

8 परीक्षार्थी के किसी प्रश्न के उत्तर में 10 प्रतिशत तक शब्द सीमा कम या अधिक होने पर उसे नजर अंदाज करें। परंतु अंतर 10 प्रतिशत से अधिक होने पर परीक्षार्थी को 1 अंक काट कर दंडित किया जा सकता है।

9 शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिया जाए।

10 भाषा–क्षमता एवं अभिव्यक्ति–कौशल पर ध्यान दिया जाए।

11 मुख्य–परीक्षकों/उप–परीक्षकों को उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य–परीक्षक से विचार–विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेकानुसार करें।

खण्ड अ

बहुविकल्पीय

प्रश्न न• 1 अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) अपनी शुभ बुधि से 1

(ख) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। 1

(ग) बुद्ध, ईसा, मुहम्मद ,चैतन्य और नानक ने 1

(घ) वर्ण–भेद के कारण 1

(ङ) उपर्युक्त सभी 1

प्रश्न न• **2** अपठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) देश के 1

(ख) स्थायी 1

(ग) वीर सपूतों का रकत बलिदान करना 1

(घ) दुखी होकर श्राद्ध करना 1

(ङ) राष्ट्र की 1

प्रश्न न• 3 **'आरोह भाग–2'** पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्य खण्ड के बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) कोमलता 1

(ख) उपरोक्त सभी 1

(ग) क्षीण 1

(घ) चौकोना खेत 1

(ङ) सूर्य को 1

प्रश्न न• 4 **'आरोह भाग–2'** पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्य खण्ड के बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) भक्तिन की घर–संपति को हथिया सके 1

(ख) छल–कपट तथा पर आधारित 1

(ग) कोमल 1

(घ) धर्म 1

(ङ) 1–(ii), 2–(iii) , 3 –(i) 1

प्रश्न न• 5 **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** नामक पुस्तक पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) इसे आप धीरे–धीरे आराम से पढ़ सकते हैं। 1

(ख) पाँच लाख लोगों को 1

(ग) फ़ीचर 1

(घ) दृश्यों के बिना खबर को सीधे–सीधे दर्शकों को बताता है। 1

(ङ) 1– (iv) , 2–(i) , 3– (ii) , 4– (iii) 1

प्रश्न न• 6 **'व्याकरण'** पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) रीति + अनुसार 1

(ख) 1 (ii) , 2(iv) , 3 (ii) , 4 (i) 1

(ग) यह काम मैं आसानी से कर सकता हूँ। 1

(घ) पुनरुक्ति संबंधी 1

(ङ) कर्मधारय 1

खण्ड– ब

वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न न• 7 **'आरोह भाग–2'** नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्यांश की व्याख्या अपेक्षित है। 5

प्रसंग – कविता– आत्म परिचय , कवि–हरिवंशराय वच्चन
कवि ने जीवन में प्रेम के महत्त्व व संसार के लोगों की मानसिकता, व्यवस्था आदि का वर्णन किया है। 1½

व्याख्या– कवि के हृदय की पीड़ा का चित्रण, कवि की वाणी शीतल परंतु उसमें विरहाग्नि का होना। प्रेम को खंडहर बताकर अपनी निराशा को वयक्त किया है। 2

काव्य–सौन्दर्य – वियोग–श्रृंगार , प्रतीकात्मक शब्दावली , अनुप्रास व स्वर मैत्री अलंकार, माधुर्य गुण व मुक्त छंद आदि। 1½

अथवा

'आरोह भाग–2' नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ,कविता– बादल राग ½ + ½ = 1

(ii) क्रान्ति का प्रभाव हमेशा शोषित वर्ग पर सकारातमक व बुराई रूपी शोषक वर्ग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। **1**

(iii) **पंक** समाज के शोषित वर्ग का व **अट्टालिका** शोषक वर्ग का प्रतीक **1**

(iv) संघर्षशील , जुझारू व छलकपट रहित मानसिक स्थिति के कारण **1**

(v) कमल का छोटा –सा फूल जैसे हर स्थिति में खिला रहता है , वैसे ही शोषित

वर्ग भी हर स्थिति में खुश रहता है। 1

प्रश्न न• 8 **'आरोह भाग–2'** के काव्य खंड पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3+2 = 5

(क) अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा व भावनाओं के साथ खिलवाड़ को दूरदर्शन के पर्दे के पीछे छिपें सत्य को रेखांकित किया है। कवि द्वारा कार्यक्रम संचालकों की करूणा में छिपी क्रूरता का पर्दाफाश करना। पीड़ा के प्रति स्वयं संवेदनशील होने और दूसरों को संवेदनशील बनाने की प्रेरणा दी है। 3

(ख) भरत के बाहुबल ,शील स्वभाव ,गुण और भगवान राम के चरणों में उनका अपार प्रेम आदि की म नही मन प्रशंसा। 2

प्रश्न न• 9 **'आरोह भाग–2'** नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्यांश की व्याख्या अपेक्षित है। 5

प्रसंग – लेखक – जैनेन्द्र कुमार , पाठ – बाजार दर्शन
परिचितों ,मित्रों से जुड़े अनुभव के माध्यम से बाज़ार की जादुई ताकत का एहसास कराना। 1½

व्याख्या – बाजार के प्रति भगत जी का न तो कोई लगाव था और न ही अलगाव। वे केवल आवश्यकता की वस्तुएं ही खरीदने जाते हैं। 2

विशेष – वर्णनात्मक शैली, वाक्य विन्यास सटीक, साहित्यिक हिन्दी भाषा। 1½

अथवा

'आरोह भाग–2' नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) लेखक – डॉ• भीमराव आंबेडकर ½

पाठ – श्रम विभाजन एवं जाति प्रथा ½

(ii) जिस भाईचारे में न तो कोई बंधंन हो ,न जड़ता और न ही रूढ़िवादिता हो। **1**

(iii) हमें व्यक्तियों की क्षमता ऐसी करनी चाहिए कि वह अपना पेशा या कार्य स्वयं चुन सकने में समर्थ हो 1

(iv) लोगों में परस्पर निर्बाध संपर्क, सहभागिता और सबकी रक्षा करने की जागरूकता हो। **1**

(v) मनुष्य की व्यक्तिगत रुचि , क्षमता व उसकी सोच पर श्रम विभाजन हो। 1

प्रश्न न• 10 **'आरोह भाग–2'** के गद्य खंड पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

(क) लोकास्था और विज्ञान के द्वंद्व चित्रण, पाखंड व अंधविश्वास का विरोद्धात्मक व्यंग्य, जल के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया है। 3

(ख) अवधूत (सन्यासी) जिस प्रकार मस्त ,फक्कड़ ,अनासक्त और मादक होते हैं , शिरीष के फूल भी उसी प्रकार फक्कड़ होकर उपजते हैं। संयासी के गुणों से समानता होना। 2

प्रश्न न• **11** **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** पर आधारित किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

- प्रारंभ 1
- विषय वस्तु 3
- भाषा 1

अथवा

- **कहानी को समय और स्थान के आधार पर विभाजित किया जाता है।**
- **रूपान्तरण करते समय कहानी के पात्रों की दृश्यात्मकता और नाटक के पात्रों में उनका प्रयोग किया जाना चाहिए।**
- **संवाद छोटे– छोटे , पात्रानुकुल , प्रसंगानुकुल व सामान्य बोलचाल की भाषा में लिखे जाएं।**
- **पात्रों की भाव–भंगिमा और तौर–तरीके व संवादों से प्रभाव उत्पन्न किया जाए।**
- **कथावस्तु से संबंधित वातावरण , ध्वनि ,प्रकाश व्यवस्था , मंच–सज्जा और संगीत की व्यवस्था कर।** **5**

(विद्यार्थी के भिन्न उत्तर की स्थिति में विवेकानुसार मूल्यांकन करें)

प्रश्न न• **12** **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** पर आधारित दर्शाए गए अंकानुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3+2 = 5

(क) कहानी एक्शन प्रधान न हो, पात्रों की संख्या 5 से 6 हो, अवधि 15 से 20 मिनट , संवाद छोटे हों , ध्वनि का समय व स्थानानुसार प्रयोग। **3**

(ख) लाभ – जन–जन तक पहुँच , सुविधानुसार उपयोग।

हानि– अनपढ़ लोगों के लिए अनुपयोगी, खबर तत्काल पहुँचाने में असमर्थ। **2**

प्रश्न न• **13** **'वितान भाग–2'** पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। $3 + 2 + 2 = 7$

(क) दूरदर्शी और बुद्धिमान ,कर्त्तव्यपरायण, काव्य–गुण, जूझारू आदि। 3

(ख) महाकुंड की लंबाई 40 फुट , चौड़ाई 25 फुट , गहराई 7 फुट। उत्तर दिशा में 8 स्नान घर , कुंड के तीन तरफ साधुओं के कक्ष,कुंड का निर्माण पक्की ईंटों से । 2

(ग) यशोधर बाबू के सहज ,सरल जीवन का पक्षधर होना, परिवार के अन्य आधुनिकतावादी सदस्यों के मन में यशोधर परंपरावादी सोच होने के कारण भिन्न विचारधारा होना। 2

14 **'व्याकरण'** पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

(क) (i) रूपक अंलकार– काव्य में जहाँ बहत अधिक समानता होने के कारण उपमेय में उपमान का आरोप कर दिया जाए , वहाँ रूपक अलंकार होता है।

जैसे – अपरस रहत स्नेह तगा ते। 2

(ii) यमक अलंकार। 1

(ख) स्वर संधि – 2

अवर्ण (अ, आ) इवर्ण (इ ,ई) , उवर्ण (उ,ऊ) और ऋ के बाद समान जाति का स्वर आने पर जब उसी जाति का दीर्घ स्वर बन जाए तो उसे **स्वर संधि** कहते हैं। **जैसे** – विद्यालय – विद्या + आलय

15 **'आदर्श जीवन मूल्य'** पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। $2 \times 4 = 8$

(क) मन स्वस्थ ,शांत , स्थिर , एकाग्र , और विश्वास से भरपूर व मजबूत मनोबल आदि गुण जीवन में सुलता के लिए जरूरी हैं। 2

(ख) मन में कठोरता ,कटुता , क्रोध , आवेश ,तनाव, दबाव आदि नहीं रखना चाहिए क्योंकि इन अवगुणों के आधार पर कर्तव्य पथ पर बढ़ना आसान

नहीं होगा। 2

(ग) अपने प्रिय प्रभु स्वरूप का नित्यप्रति ध्यान करना ही मन का आहार है। जिससे स्वयं ऊर्जा ,बल , ओज , शान्ति का अनंभव होगा। 2

(घ) दुर्गा देवी के लाहौर व इलाहाबाद के आवासों को जब्त करने , भगत सिंह , राजगुरू और सुखदेव को फाँसी देने आदि की घटनाओं से आघात लगा। 2